



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W2KG238067	ImageGroup:	I2KG238107
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབྲུམ། ཀརྨ་ངེས་ལེགས་བསྟན་འཛིན། gsung 'bum/ karma nges legs bstan 'dzin/
Author:	ཀརྨ་ངེས་ལེགས་བསྟན་འཛིན། karma nges legs bstan 'dzin
Descriptor:	Reproduced from original woodblocks print carved at sde dge dpal spungs thub bstan chos 'khor gling. This version is exactly the same as the original woodblocks print without any modification in this print. The collection is reviewed and edited by Tai Situ Rinpoche and reprinted at Palpung Sherabling Monastery, Bhattu Uparla, Himachal Pradesh 176125, India.
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	upper bhattu, distt. kangra, h.p.
Publisher:	dpal spungs gsung rab spar skrun khang /
Date:	2005
Volume:	4
Total Volumes:	4
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Palpung Sherabling Monastic seat, P.O. Upper Bhattu, District Kangra, Himachal Pradesh 176125, India.

ॐ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥१॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

七

[illegible]

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

久松義典

[illegible]

有

[illegible]

9902

[illegible]

[illegible]

३५३

[illegible]

१३५/१३५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਮੁਕਤੀ

[illegible]

५७५

[illegible]

△ 砂 土

[illegible]

公

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

། གཙུག་ལག་རྩིས་རིག་སྒྲིམ་མའི་པག་ལེན་འབྲུལ་མེད་ལྷན་སྟེ་མཁྱེན་མཁྱེན་འདོད་པ་འདྲི་བུམ་བཟང་ཞེས་བྱས་བཞག་སོ། །



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सदा त्वां हृदि ध्यायेत् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सदा त्वां हृदि ध्यायेत् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सदा त्वां हृदि ध्यायेत् ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



༣༡ ལྷ་མ་ཐེན་པ་ལྟར་དེ་ལྟར་བཤམས།

ཨ།

༥ ལྷ་མ་ཐེན་པ་ལྟར་དེ་ལྟར་བཤམས།

ཨ།

༦ ལྷ་མ་ཐེན་པ་ལྟར་དེ་ལྟར་བཤམས།

ཨ།

༧ ལྷ་མ་ཐེན་པ་ལྟར་དེ་ལྟར་བཤམས།

༨ ལྷ་མ་ཐེན་པ་ལྟར་དེ་ལྟར་བཤམས།

༩ ལྷ་མ་ཐེན་པ་ལྟར་དེ་ལྟར་བཤམས།

༡༠ ལྷ་མ་ཐེན་པ་ལྟར་དེ་ལྟར་བཤམས།

༡༡ ལྷ་མ་ཐེན་པ་ལྟར་དེ་ལྟར་བཤམས།

ཨ།

༥

༦



༣༢ ལྷ་མ་ཐེན་པ་ལྟར་དེ་ལྟར་བཤམས།

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১৫

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五十二

[illegible]

ॐ॥ ॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७ कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं	१८ कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं	१९ कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं	२० कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं	२१ कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं	२२ कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं	२३ कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं	२४ कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं	२५ कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं	२६ कृष्णं विंशतिं कृष्णं कृष्णं
कृष्णं कृष्णं	कृष्णं कृष्णं	कृष्णं कृष्णं	कृष्णं कृष्णं	कृष्णं कृष्णं	कृष्णं कृष्णं	कृष्णं कृष्णं	कृष्णं कृष्णं	कृष्णं कृष्णं	कृष्णं कृष्णं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

4

[illegible]

१ मा ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	२ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	३ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	४ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	५ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	६ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	७ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	८ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	९ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	१० वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड
११ मा ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	१२ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	१३ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	१४ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	१५ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	१६ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	१७ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	१८ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	१९ वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड	२० वि ३ सदा वा ६ मूर्ध्नि मीनकुण्ड

॥ १ ॥

११ वा. हि. स्या. वा. २. मन्त्रोक्तं दशमं	१२ वा. हि. स्या. वा. ३. मन्त्रोक्तं दशमं	१३ वा. हि. स्या. वा. ४. मन्त्रोक्तं दशमं	१४ वा. हि. स्या. वा. ५. मन्त्रोक्तं दशमं	१५ वा. हि. स्या. वा. ६. मन्त्रोक्तं दशमं	१६ वा. हि. स्या. वा. ७. मन्त्रोक्तं दशमं	१७ वा. हि. स्या. वा. ८. मन्त्रोक्तं दशमं	१८ वा. हि. स्या. वा. ९. मन्त्रोक्तं दशमं	१९ वा. हि. स्या. वा. १०. मन्त्रोक्तं दशमं
२० वा. हि. स्या. वा. ११. मन्त्रोक्तं दशमं	२१ वा. हि. स्या. वा. १२. मन्त्रोक्तं दशमं	२२ वा. हि. स्या. वा. १३. मन्त्रोक्तं दशमं	२३ वा. हि. स्या. वा. १४. मन्त्रोक्तं दशमं	२४ वा. हि. स्या. वा. १५. मन्त्रोक्तं दशमं	२५ वा. हि. स्या. वा. १६. मन्त्रोक्तं दशमं	२६ वा. हि. स्या. वा. १७. मन्त्रोक्तं दशमं	२७ वा. हि. स्या. वा. १८. मन्त्रोक्तं दशमं	२८ वा. हि. स्या. वा. १९. मन्त्रोक्तं दशमं

[illegible]

५३५५

ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

新

ཐུང་ཐུང་ཐུག་ནིམ་རུབ་ནས་ཤར་དུ་ནི་ཅེ་རུས་ཐུ། མཚུ་ལྟོ་ནས་ཐུང་། ཐུལ་པས་ནིམ་ར་གནས་ཀྱིས་ནི་ཤར་ནས་པོལ་།

५

[illegible]

ཡམས་པམ་རུབ་བྱུང་པོ་པ།

ཕྱད་ཤར་རྒྱུ་ལ་འཕྲུལ་པའི་ལྷ་མོ། གྲིལ་མེ་བདུན་ལྷ་མོ་ལ་འཕྲུལ་པའི་ལྷ་མོ།

ཏིགས་སེམས་དཔྱད་བཤམ་པ་འདུ་བྱེད།



॥ ॐ ॥

५५५

महाराष्ट्र

2-11-68

५५५।

五

1954

॥ सुखं ॥

4

बद्धाष्टमः

1877

५३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

ॐ
सुखदायक

1

735

॥३॥ ॥३॥ ॥३॥

सप्तमः

1

9

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

五

मदना

545

५

५५॥
॥५॥

१००

१ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	२ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	३ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	४ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	५ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	६ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	७ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	८ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	९ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	१० आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
११ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	१२ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	१३ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	१४ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	१५ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	१६ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	१७ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	१८ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	१९ आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	२० आ ० स्या आ ० ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

२) प्रथम विचार प्रकाश
द्वितीय विचार प्रकाश
तृतीय विचार प्रकाश

॥ ॐ ह्रीं क्लीं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ अथ श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भागवतम्

१८ जे एं हूँ। जी र
पुण्यो कभी

१२०
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ १॥ श्री गुरुदेव्यो नमः ॥
॥ २॥ श्री गुरुदेव्यो नमः ॥

५५ श्री मन्त्रा श्री ह
॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

३० अ. वि. ह. १०० ॥ १ ॥
३१ अ. वि. ह. १०० ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥

[illegible]

अमुपलब्धवर्ग
अमुपलब्धवर्ग

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्णसंवादे ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ वासुदेवाय नमः ॥

21002

[illegible]

[illegible][illegible]

10. རྒྱུ་ཁྱིའི་དཔེར་ན་མཉམ་པའི་མཉམ་པ་

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ २३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखी सुखेपणा मङ्गलम्
सुखी सुखेपणा मङ्गलम्

२३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

५४०३५ ४४५५

२॥ श्री ५ ह्रीं सा ज्यै ह

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ २७ ॥ श्री गुरु नमः ॥

अथर्ववेदः

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

२५. १५५५ ५५ ५५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥

२० अ. १. ईश्वराय

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ
मन्त्रमाला

ལྷ་པོ་འཕྲུལ་པ་ལྟོ་ལྟོ་

[illegible]

འཕྲིན་ལྷན་པུ་ཁྱེད་ཀྱི་མཛུགས་སྐྱོང་ལ་
འཕྲིན་ལྷན་པུ་ཁྱེད་ཀྱི་མཛུགས་སྐྱོང་ལ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो नमो नमो नमो

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५५॥ ५५॥
 ५५॥ ५५॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]170

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००
१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००	१००

३ १०० १०० १०० १०० १०० १०० १०० १०० १०० १०० १००

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------

五、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਸ਼੍ਰੀ ਮਾਤਾ ਜੀ ਦੇ ਨਾਮ				ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਜੀ ਦੇ ਨਾਮ		ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਜੀ ਦੇ ਨਾਮ		ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਜੀ ਦੇ ਨਾਮ		ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਜੀ ਦੇ ਨਾਮ		ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਜੀ ਦੇ ਨਾਮ		ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਜੀ ਦੇ ਨਾਮ	
੧	੨	੩	੪	੫	੬	੭	੮	੯	੧੦	੧੧	੧੨	੧੩	੧੪	੧੫	੧੬
੧੭	੧੮	੧੯	੨੦	੨੧	੨੨	੨੩	੨੪	੨੫	੨੬	੨੭	੨੮	੨੯	੩੦	੩੧	੩੨
੩੩	੩੪	੩੫	੩੬	੩੭	੩੮	੩੯	੪੦	੪੧	੪੨	੪੩	੪੪	੪੫	੪੬	੪੭	੪੮
੫੦	੫੧	੫੨	੫੩	੫੪	੫੫	੫੬	੫੭	੫੮	੫੯	੬੦	੬੧	੬੨	੬੩	੬੪	੬੫
੬੭	੬੮	੬੯	੭੦	੭੧	੭੨	੭੩	੭੪	੭੫	੭੬	੭੭	੭੮	੭੯	੮੦	੮੧	੮੨
੮੫	੮੬	੮੭	੮੮	੮੯	੯੦	੯੧	੯੨	੯੩	੯੪	੯੫	੯੬	੯੭	੯੮	੯੯	੧੦੦

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ॥ ॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ २॥ ॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

五、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ལྷ་

ལྷ་ལྷ་ལྷ་	གསུམ་དང་བཅོ་བརྒྱད་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བཞི་པ་བརྒྱད་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་དང་ཉི་ཤུ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	རྒྱལ་དང་ཉི་ཤུ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བརྒྱད་དང་ཉི་ཤུ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བརྒྱད་དང་ཉི་ཤུ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་
ལྷ་ལྷ་ལྷ་	དཔལ་དང་ཉི་ཤུ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བརྒྱུད་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བརྒྱུད་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བརྒྱུད་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བརྒྱུད་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བརྒྱུད་ལྷ་ལྷ་ལྷ་
ལྷ་ལྷ་ལྷ་	གཅིག་དང་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	གཅིག་དང་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	གསུམ་དང་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ཉི་ཤུ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བཞི་པ་བརྒྱད་ལྷ་ལྷ་ལྷ་
ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ཉི་ཤུ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ཉི་ཤུ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་
ལྷ་ལྷ་ལྷ་	བརྒྱད་དང་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་
ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་
ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་	ལྷ་ལྷ་ལྷ་ལྷ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

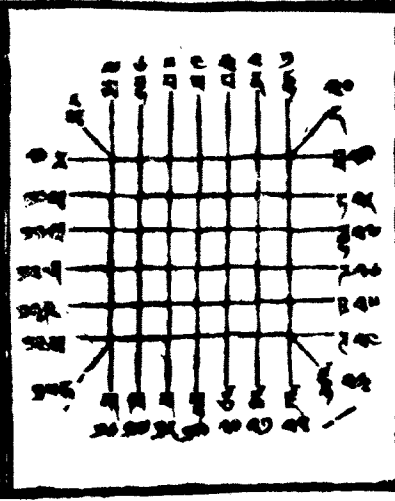
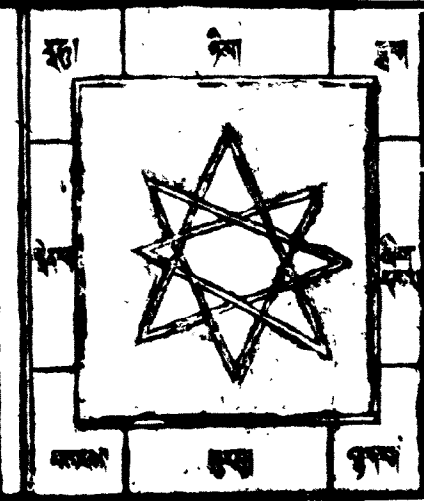
[illegible]

[illegible]

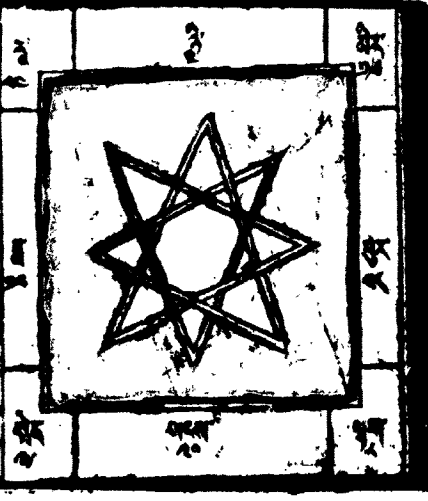
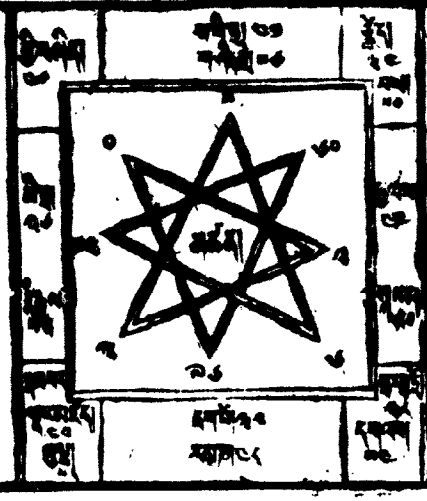
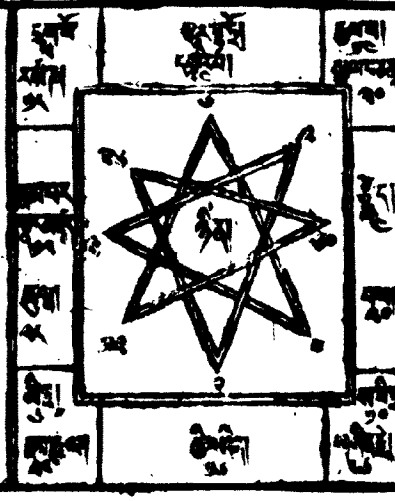
[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय		ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



不	少	天
天		天
天		天



[illegible][illegible]

[illegible]

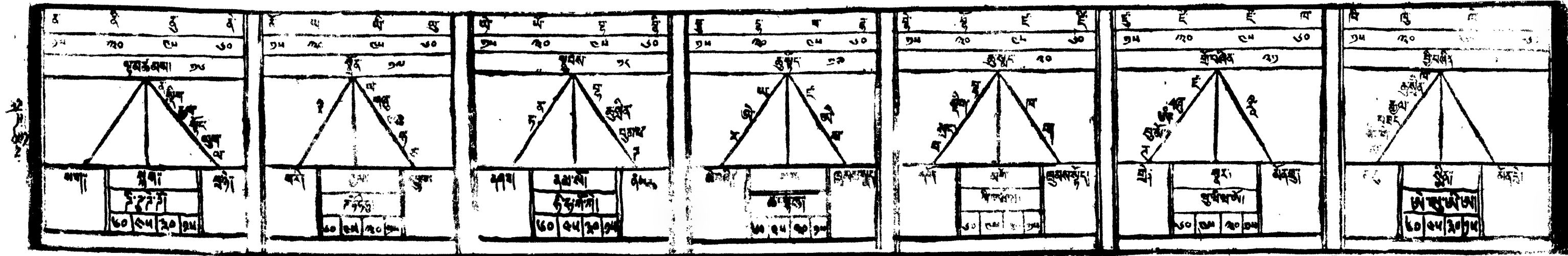
[illegible]

[illegible]

[illegible]

334

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

༡༡།	༡༡། །ན་མོ་བུ་རྒྱ་བཟོ་རྒྱ་ར་ཡེ། ཟག་བྲལ་རང་བཞིན་འདུས་མ་བྲས་པ་དོན་དམ་ཆོས་ཉིད་ལྷན་གྲུབ་འགྱུར་བ་མེད་པའི་རྩལ་དང་མདངས། །ཟག་བཅས་འགོ་བའི་འདུས་བྲས་ཀྱན་རྫོབ་ཡིད་ཀྱི་དབང་པོར་གདོད་ནས་ལས་སྒོན་ངེ་བཞིན་གསལ་བ་ནི། །བྲུབ་བདག་རྒྱལ་བ་རྗེ་རྗེ་འཆང་དབང་གང་འདུལ་རོལ་པར་དུས་མེད་རྒྱན་གྱི་འཁོར་ལོ་ཤར་བ་ཉིད། །དག་གཙང་མོས་གྲུས་སེམས་བསྐྱེད་ལས་འབྱུངས་བརྒྱད་པའི་བྱེན་རྒྱབས་ཆོགས་གཉིས་ཡེ་ཤེས་གནས་ལུགས་གཞི་ལ་འབྱུངས། །རབ་འབྱུངས་མཐའ་ཡས་ཞིང་ཀྱན་ཏུ། །རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་བགྲང་ཡས་ཀྱང་། །ཞིང་འདིའི་རྣམ་འདྲན་བཞི་པ་ནི། །བདག་སོགས་གདུལ་བྱའི་སྐབས་ཀྱི་མཆོག་ཉིད་ཀྱི་ཟབ་གསལ་དམ་པའི་ཆོས། །གང་འདུལ་དེར་སྒྲང་མཐའ་ཡས་པ། །བརྒྱད་འཛིན་པཏ་གྲུབ་ཆོགས་རྣམས་ཀྱིས། །ཐེག་པ་གསུམ་དུ་བསྐྱུས་ཏེ་སྤེལ། །ཉན་ཐོས་ཐེག་པའི་ལྷ་སྒོམ་སྤྱོད། །རྣམ་གངས་མང་ཡང་སྤྱོད་པོའི་དོན། །སྐྱུག་བསྐྱུལ་ཀྱན་འབྱུང་འགོག་པ་ལམ། །ཞི་སྐྱུག་ཟུང་འཇུག་ཉམས་ལེན་ཉིད། །ཐེག་ཆེན་ཟབ་མོ་ལྷ་བ་དང་། །རྒྱ་ཆེན་སྤྱོད་པ་སྤྱོད་ཏེན་འབྱུང་། །སྒོན་འཇུག་སེམས་བསྐྱེད་ཆད་མེད་ཀྱན། །པ་རོལ་བྱེན་པ་དུག་ཏུ་འདུས། །རྗེ་རྗེ་ཐེག་པའི་གཞི་ལམ་འབྲས། །རྒྱད་སྡེ་བཞི་དུག་བསྐྱེད་རྫོགས་ཀྱན། །སྤྱོད་པོ་སྐྱུག་རྫོགས་མན་ངག་དང་། །ཡང་སྤྱོད་ཟུང་འཇུག་རྣལ་འབྱོར་ཆེ། །སྤར་བྱེན་མེས་	369
------------	--	------------

༡༩༣	༡༩༣། །ཀུན་མཁྱེན་ཆོས་ཀྱི་འབྱུང་གནས་འབྱུངས། །པོད་ཀྱི་ཆོས་རྒྱལ་བྱི་སྤོང་གི། །མགར་སློན་རིག་པ་ཅན་གྱི་རྒྱུད། །སྤེ་དགོ་ཆོས་རྒྱལ་ཆེན་པོ་ཡིས། །དབུ་ཡི་མཆོད་གནས་གཙུག་ན་འཛིན། །མདོ་ སྤྲལ་རྒྱུད་ལུང་མན་དག་དང་། །གཞུང་ལུགས་རིག་གནས་མ་ལུས་པའི། །རྒྱ་མགོ་ཀུན་པན་འཛམ་གླིང་རྒྱན། །དཔལ་ཀུན་སྤྱངས་པའི་གདན་ས་བཏབས། །༢། བོད་ས་བསྐྱལ་བཟང་རྒྱ་མཆོའི་དབུས། །བསྟན་ འཛིན་སྤྱེས་ཆེན་དུ་མ་དང་། །ཐུགས་ཡིད་བསྟན་པའི་རྒྱན་དུ་གཅིག །མཐའ་དབུས་རྒྱལ་སློན་འབངས་བཅས་བཀུར། །པརྒྱའི་ལྷགས་ལྷན་ཉིན་བྱེད་དབང་། །འགྲོ་མགོན་མཁྱེན་ཀོང་མཆོག་གསུམ་གྱིས། །བསྟན་པའི་ ཉི་མ་དགྲུང་ལ་བསྟོད། །སྤོན་ལས་ཐ་གྲུ་ཀུན་དུ་རྒྱས། །དགོན་ལག་བརྒྱ་དང་བརྒྱད་ཅུ་དང་། །དགོན་པན་སྟོང་དང་ཅུ་གཉིས་སོགས། །ཆོས་སྤེ་ཆེན་པོ་བཅུ་གསུམ་བཅས། །པོད་དང་པོད་ཆེན་སྤྱོད་ས་ཀུན་བྱབ། ། དུས་རབས་ཉི་ཤུའི་གཞུང་གི་མཐར། །འདུས་བྱས་ཆོས་ཉིད་མི་རྟག་བཞིན། །གངས་སྤྱོད་ས་རྒྱལ་བསྟན་སྤྱི་བྱེ་བྱག །སྤྱུ་ཟང་མར་མེ་བཞིན་དུ་གྱུར། །སྟོན་པའི་ཐུགས་བསྐྱེད་ཆོད་མེད་སྟོབས། །བསྟན་པའི་སྤོན་ལས་ མ་རྗེས་ཤིང་། །གདུལ་བྱའི་བསོད་ནམས་མ་ཟད་པས། །ལུང་རྟོགས་བསྟན་པའི་ཉི་མ་ཤར། །སྤྱན་རས་གཟིགས་དབང་ཐམས་ཅད་མཁྱེན། །རྒྱལ་བའི་དབང་པོ་རྗེ་རྗེ་འཆང་། །རང་བྱུང་རིག་པའི་རྗེ་རྗེ་ཅལ། །	371
------------	--	------------

༡༡། །ཁོ་བོའི་རིགས་ཀྱི་བདག་པོར་བཞུགས། །སངས་རྒྱས་དངོས་སྤང་ཆོས་ཀྱི་རྗེས། །སོ་བྱང་སྤྲལས་ཀྱི་གདམས་པ་དང་། །བྱང་འཇུག་མན་ངག་ཡང་ཟབ་ཀྱན། །བུམ་པ་གང་བྱོའི་ཚུལ་དུ་བསྐྱལ། །གསུམ་སྟན་རྗེ་རྗེ་འཛིན་པ་ཡི། །སྐྱེས་ཆེན་མཁན་སློབ་དུ་མའི་དུང་། །རིག་གཞུང་དབང་ལུང་མན་ངག་ཆོགས། །རང་སློ་ཆོམས་པའི་བཀའ་དྲིན་ཐོབ། །རྒྱ་མཚོ་ཆུ་ཐིགས་དཔེ་རི་བཞིན། །འཕགས་ཡུལ་བྱང་སྤྲལས་དབེན་གནས་སུ། །གདན་ས་དཔལ་སྤངས་ཤེས་རབ་སྤྲིང་། །གོང་མའི་མཛད་རྗེས་བསྐྱང་སྤྲིར་བཏབས། །བཤད་སྐྱབ་ལས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་གསུམ། །ངལ་བ་བརྒྱ་སྤྲལ་བྱུང་བྱིར་ཏེ། །སྟོས་བཙས་རྗེས་འཇུག་ལྟག་བསམ་ཅན། །གདུང་བྱགས་ཐུར་བ་གྲུ་འདེགས་བྱས། །རྒྱལ་བའི་བསྟན་པ་ལུང་རྟོགས་གཉིས། །དེ་འཛིན་བཤད་དང་སྐྱབ་པའི་སྤྲེ། །བསྟན་པ་གསུང་རབ་དམ་པའི་ཆོས། །ཡང་སྤྲིང་དམ་གཙང་བརྒྱད་པ་ཉིད། །གསུང་རབ་བཀའ་དང་བསྟན་བཅོས་དང་། །རིག་གནས་རྒྱལ་རབས་ཆོས་འབྱུང་སོགས། །ཉམས་པ་གསོ་ཞིང་སྤེལ་བ་ནི། །བསྟན་འགྲོའི་དོན་ཆེན་ཡིན་པར་མཐོང་། །དཔལ་སྤངས་ཆོས་ཀྱི་བང་མཛོད་དུ། །བཞུགས་པའི་མདོ་སྤྲལས་རིག་གཞུང་ཀྱན། །དུས་རབས་གསར་བའི་ལག་རྩལ་གྱིས། །སྤྲི་མོ་ཉིད་དུ་སྤར་བསྐྱན་བྱས། །འབད་བཅོན་ལྟག་བསམ་ཞབས་འདེགས་ཀྱན། །དཔལ་སྤངས་གསུང་རབ་སྤར་སྐྱན་ཁང་། །སློ་བཞིན་བསྐྱབས་པའི་

༡༡། །འགན་འཛིན་དང་། །ལས་བྱེད་ཡོངས་ཀྱིས་འབད་དེ་བསྐྱབས། །བཟང་པོའི་བྱ་བ་འདིར་འབྲེལ་གུན། །འདི་ཕྱི་གུན་ཏུ་དགོ་བ་དང་། །བསྟན་དང་འགྲོ་ལ་ཕན་པའི་ཕྱིར། །སྐྱབས་གནས་དམ་པས་
དགོ་ལེགས་སྟོལ། །གང་ཞིག་སྟོན་ཆེ་འཕགས་མཆོག་གུན་ཏུ་བཟང་པོའི་སྟོན་ལམ་བཞིན། །རྒྱལ་དང་དེ་སྤྱི་མཁས་གྲུབ་དགོངས་བཅུད་གསུང་རབ་སྤེལ་བ་འདིས། །བསྟན་པ་རིན་ཆེན་འདི་ཉིད་དར་རྒྱས་
ཡུན་ཏུ་གནས་པ་དང་། །འགྲོ་གུན་བདེ་བའི་ལམ་བཟང་མཐོང་བའི་མིག་ཏུ་འགྱུར་བར་ཤོག། །སྤྱོད་པ་བཅུད་རྒྱལ་བ་སྤྱི་དང་བཅས་པའི་བྱིན་རྒྱལ་བ་དུད་རྩི་ཆར་རྒྱན་རིགས་དུག་འགྲོ་བའི་གཙུག་ན་བབས། །
ཆོངས་དང་བརྒྱ་བྱིན་ཁྲབ་འདུག་ལ་སོགས་ལྟ་ཡི་ཆོགས་ཀྱིས་སྟོན་སྟོན་མེ་ཏོག་མཛེས་པས་སྟོངས་གུན་གཏམས། །སྟེ་འགྲོ་ཡོངས་ཀྱི་སེམས་རྒྱུད་གཤོད་ནས་དག་པའི་བྱིན་རྒྱལ་ཡེ་ཤེས་བཟང་པོ་སྟོན་གྲུབ་
ནང་ནས་གྲོལ། །འཛིག་ཏེན་ཁམས་གུན་ཟག་པ་མེད་པའི་བསྐྱལ་བཟང་དགའ་སྟོན་རྫོགས་ལྟན་ཞིང་མཆོག་ཏུ་མདོན་གྱུར་ཤོག། །ཅེས་པ་འདི་ཉིད་འཕགས་ཡུལ་གདན་ས་དཔལ་སྤྲངས་ཤེས་རབ་རྣམ་པར་རྒྱལ་བའི་སྤྱིང་
གི་གསུང་རབ་སྤྱར་སྟོན་ཁང་ནས་རྒྱལ་བའི་བཀའ་དང་དེ་འབྲེལ་བསྟན་བཅོས། མཁས་གྲུབ་རྣམས་ཀྱི་གསུང་རབ་བྲིད་ཡིག་ །བཀའ་འབྲུམ། གཏེར་ཆོས། གདངས་དབྱངས། གར་འཆམ། །མཆོད་བཞེངས་སོགས་ཆོ་ག་ཕྱག་ལེན། རིག་གནས།

ཀྱལ་རབས་ཆོས་འབྱུང་སོགས་ཡོད་དོ་ཅོག་མ་ཉམས་གོང་འཕེལ་དང་ཉམས་པ་སོར་ཆུད་ཆེད་སྤར་བསྐྱུན་བགྱིད་རྒྱུ་ཤོག་མར་གདན་ས་ཆེན་པོ་ཤར་སྡེ་དགོ་དཔལ་སྤངས་སྤུབ་བསྐྱུན་ཆོས་འཁོར་གླིང་གི་སྤར་ཁང་དམ་ཆོས་བང་མཛོད་དུ་
བཞུགས་པའི་དཔེ་ཆ་ཡོངས་རྫོགས་སྤར་སྐྱུན་བྱེད་པའི་སྐབས་སྤར་བྱང་སྟོན་ཆོག་དུ་འཕགས་ཡུལ་གདན་ས་དཔལ་སྤངས་ཤེས་རབ་རྣམ་པར་རྒྱལ་བའི་གླིང་གི་བྱང་ཆུབ་ཆེན་པོའི་གཙུག་ལག་ཁང་དུ་ཀྱན་ཏིང་དྲུའི་སི་དུ་པས་བོད་རབ་བྱུང་
༡༥ པའི་ཤིང་བྱ་ཟླ་ ༥ ཆོས་ ༩ ཡེ་ལོ་ ༡༠༠༥ ཟླ་ ༠༥ ཆོས་ ༡༠ ཉིན་ཤར་མར་གྲེས་པ་དགོ་ལེགས་འཕེལ། སྤྱི་བོ་ཇ་ཡུམ་། །

